नामांक Roll No.

No. of Sections — 3

No. of Printed Pages — 7

SS—32—SH.HD. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2011

वैकल्पिक **वर्ग III** — वाणिज्य (OPTIONAL GROUP III — COMMERCE)

हिन्दी शीघ्रलिपि

(SHORTHAND IN HINDI)

समय — $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक — 60

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।
2. तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।
3. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में **4–4** मिनट का मध्यान्तर दिया जाये ।

   तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए $2\frac{3}{4}$ घंटे का समय दिया जाए ।
4. केवल निम्न विराम-चिह्न ही लिखाए जाएं :

   पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।
5. संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका हिन्दी रूपान्तर टंकण यन्त्र या कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाए । हाथ से लिखा हिन्दी रूपान्तर मान्य नहीं होगा ।
6. संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।
7. संकेत लिपि के **20%** अंक रखे गये हैं ।

प्रथम खण्ड 15

(इसे **70** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

अमर साईकल्स सेल्स

(साईकलों के विक्रेता)

तार का पता : 'बाईसिकल्स' अ / 103 / साईकल्स मार्केट, $\frac{1}{4}$

टेलीफोन नं० : 2427013 घंटाघर रोड राम तीर्थ मार्ग,

ई–मेल 'अमर साईकल्स/@ जी.मेल.कॉम आगरा (उत्तर प्रदेश) $\frac{1}{2}$

पत्र सं० - 2011/917/ दिनांक 03 मार्च, 2011 $\frac{3}{4}$

सर्वश्री श्वेता साईकिल मार्ट,

अ / 119-120 नवीन औद्योगिक क्षेत्र,

नवीन // मुम्बई (महाराष्ट्र)

विषय : एजेन्सी लेने के क्रम में ।

प्रिय महोदय,

दिनांक 27 फरवरी / 2011 के दैनिक हिन्दुस्तान पत्र से ज्ञात हुआ कि आप आगरा में $1\frac{1}{4}$
साईकलों की एजेन्सी देना चाहते / हैं । जिसके लिए हमारी फर्म अपनी सेवा देने को तत्पर है । $1\frac{1}{2}$
इस शहर में हमारी फर्म / प्रतिष्ठित फर्मों में से एक है । हमारी प्रसिद्धि भी आप द्वारा उत्पादित माल $1\frac{3}{4}$

के विक्रय के कारण ही // है । हम पिछले 30 वर्षों से आप द्वारा निर्मित माल का विक्रय करते आ 2

रहे हैं । इस / बात की पुष्टि आप अपने रेकार्ड से भी कर सकते हैं । $2\frac{1}{4}$

वर्तमान समय में हम आपका / औसतन 25 करोड़ रुपये का वार्षिक माल का विक्रय करते $2\frac{1}{2}$

आ रहे हैं । इस माल का विक्रय / हम अन्य जिलों में भी कर रहे हैं । हम आपसे रोकड़ में भुगतान $2\frac{3}{4}$

कर अतिरिक्त छूट भी प्राप्त // करते रहे हैं । माल के स्टॉक के लिए हमारे पास 02 बड़े गोदाम भी 3

उपलब्ध / हैं । $3\frac{1}{4}$

हमने आपकी सभी शर्तें देख ली हैं । ये सभी शर्तें हमें स्वीकार हैं । हम / आपके पास हर $3\frac{1}{2}$

समय 50 लाख रुपये भी जमा के रूप में रखने को तैयार हैं ।

हमें / आशा है कि आप हमारी फर्म को एजेन्सी प्रदान करा कर अनुग्रहित करेंगे । $3\frac{3}{4}$

भवदीय

अमर साईकल्स के लिए

दीपमाला

साझेदार । // 4

द्वितीय खण्ड 15

(इसे **70** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाय ।)

कार्यालय प्रधानाचार्य,

राजकीय उ० मा० विद्यालय,

अमृतसर

क्रमांक : रा उ मा वि | / अमृत | परीक्षा | 2011 | 356 दिनांक 03 दिसम्बर, 2010 $\frac{1}{4}$

श्रीमान सचिव महोदय,

माध्यमिक शिक्षा / बोर्ड पंजाब,

चंडीगढ़ ।

विषय : विज्ञान संकाय की स्वीकृति के सम्बन्ध में ।

माननीय महोदय,

उपरोक्त / विषयान्तर्गत निवेदन है कि हमने आगामी सत्र 2011-12 से कक्षा ग्यारह एवं बारह $\frac{3}{4}$

में विज्ञान संकाय खोलने // का निर्णय लिया है जिसमें ऐच्छिक गणित एवं जीव विज्ञान विषय सहित 1

विज्ञान संकाय की अनुमति चाही गई / है । इस क्रम में सम्पूर्ण विवरण व आवश्यक दस्तावेज $1\frac{1}{4}$
आपको इस कार्यालय के पत्रांक 2010 / 713 दिनांक / 7 सितम्बर 2010 एवं पत्रांक 746 $1\frac{1}{2}$
दिनांक 14 नवम्बर 2010 द्वारा प्रेषित किये जा चुके हैं ।

हमारे / विद्यालय में पर्याप्त कक्षा-कक्ष भी उपलब्ध हैं । अभी हाल ही में भौतिक विज्ञान, $1\frac{3}{4}$
रसायन विज्ञान // एवं जीव विज्ञान की भी प्रयोगशाला कक्ष बना दिये गये हैं । इसी के साथ यह 2
भी / सूचनार्थ निवेदन है कि प्रयोगशाला सम्बंधी सभी आवश्यक उपकरण भी क्रय कर लिए गये $2\frac{1}{4}$
हैं । इस विद्यालय / में वर्तमान में 1700 छात्र अध्ययन कर रहे हैं । आस पास के गाँवों के भी छात्र $2\frac{1}{2}$
पढ़ने / को यहाँ आते हैं । इनमें से अधिकांश छात्र जो विज्ञान संकाय में रुचि रखते हैं $2\frac{3}{4}$
वे // इस विद्यालय से वंचित रह कर निजी विद्यालयों में प्रवेश लेकर भारी शुल्क देकर पढ़ाई 3
करते हैं । / $3\frac{1}{4}$

अभी भी कई छात्रों के अभिभावकों ने हमसे विज्ञान संकाय खोलने हेतु निवेदन किया है ।

अत: / आपसे अनुरोध है कि हमारे विद्यालय में विज्ञान संकाय खोलने की स्वीकृति शीघ्र $3\frac{1}{2}$
प्रदान कर हमें अनुग्रहित / करने की कृपा कराएँ । $3\frac{3}{4}$

धन्यवाद,

भवदीय

तरुण जैन

प्रधानाचार्य

रा० उ० मा० वि०,

अमृतसर (पंजाब) // 4

तृतीय खण्ड 30

(इसे **70** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

स्वावलम्बन

बंगाल के एक छोटे से रेल्वे स्टेशन पर ट्रेन आकर रुकी । धवल वस्त्र पहिने एक / मुसाफिर ने पुकारा – कुली । कुली । उस मुसाफिर के पास केवल एक छोटी सी पेटी थी ।

गाँव / के छोटे से स्टेशन पर कुली कहाँ मिलता । एक अधेड़ सा व्यक्ति ग्रामीण वेशभूषा में $\frac{1}{2}$
आया । मुसाफिर / ने कहा–तुम लोग बड़े ही सुस्त होते हो । ग्रामीण पेटी उठा कर उस $\frac{3}{4}$
व्यक्ति // के साथ चल पड़ा । घर पहुँच कर मुसाफिर ने ग्रामीण व्यक्ति को मजदूरी के पैसे 1
देने / चाहे – ग्रामीण बोला इसकी कोई जरूरत नहीं । इतने में उस मुसाफिर के बड़े भाई घर से $1\frac{1}{4}$
निकले । उन्होंने / आदर से उस ग्रामीण व्यक्ति को प्रणाम किया । जब मुसाफिर को ज्ञात हुआ कि $1\frac{1}{2}$
वह जिससे / पेटी उठवाकर लाया है, वे बंगाल के प्रतिष्ठित विद्वान ईश्वरचन्द्र विद्यासगार हैं, तो वह $1\frac{3}{4}$
शर्म से // पानी–पानी हो गया और क्षमा याचना करने लगा । 2

हमारे में से अधिकांश की यही स्थिति / है – दिखावा करने और अपनी झूठी शान प्रदर्शित $2\frac{1}{4}$
करना ही शायद सभ्यता मानी जाने लगी । हमें अपने / कार्य स्वयं करने चाहिए, हमें अपनी रोजी- $2\frac{1}{2}$
रोटी स्वयं कमानी चाहिए । जो व्यक्ति दूसरों पर / निर्भर नहीं है वही स्वावलम्बी व्यक्ति है । $2\frac{3}{4}$

एक किसान के पास एक गाय और एक घोड़ा // था । वे दोनों जंगल में साथ–साथ चरते 3
थे । किसान के पड़ोस में ही एक धोबी / भी रहता था । उसके एक गधा और बकरी थी । धोबी उन्हें $3\frac{1}{4}$

भी उसी जंगल में / चरने के लिए छोड़ देता था । एक साथ चरने व विचरने से चारों में मित्रता हो $3\frac{1}{2}$
गई / थी । उस जंगल में एक खरगोश भी रहता था । उसने चारों पशुओं की मित्रता देखी $3\frac{3}{4}$
तो // विचार करने लगा कि यदि मेरी भी इनसे मित्रता हो जाय तो बड़ा अच्छा होगा और 4
मुझे / कोई भी तंग नहीं करेगा । खरगोश उनके पास बार-बार आने लगा । अन्ततोगत्वा उसकी भी $4\frac{1}{4}$
उनसे / मित्रता हो गई । $4\frac{1}{2}$

एक दिन एक कुत्ता खरगोश के पीछे दौड़ा । खरगोश गाय के पास / गया - और बचाने के $4\frac{3}{4}$
लिए कहा । गाय ने कहा - भाई खरगोश तुम बहुत देरी से आये । मैं // घर लौट ही रही थी - मेरा 5
बछड़ा भूखा होगा । तुम घोड़े के पास चले जाओ । घोड़े / से बचाने को कहने पर उसने खरगोश $5\frac{1}{4}$
से कहा कि मुझे बैठना नहीं आता मैं तो खड़े-खड़े / ही सोता हूँ - यदि मैं इनके साथ नहीं गया तो $5\frac{1}{2}$
मेरा मालिक डण्डे लेकर मेरे पीछे पड़ जायेगा । / $5\frac{3}{4}$

हार कर खरगोश बकरी के पास पहुँचा । बकरी बोली खरगोश भाई इस ओर मत आओ -
तुम्हारे // पीछे कुत्ता दौड़ता आ रहा है - मैं उससे बहुत डरती हूँ । 6

सबसे निराश होकर खरगोश तेजी से / भागकर एक झाड़ी में छिप गया । कुत्ता कुछ देर $6\frac{1}{4}$
ढूंढ़कर चला गया । यदि हम / दूसरों के सहारे बैठे रहे तो खरगोश जैसी दशा होती है - हमें हर माने $6\frac{1}{2}$
में स्वावलम्बी होना / चाहिए । स्वावलम्बन की स्थिति अत्यन्त सम्मानजनक स्थिति है । जो व्यक्ति $6\frac{3}{4}$
स्वावलम्बी होता है वही गौरव प्राप्त करता है । //